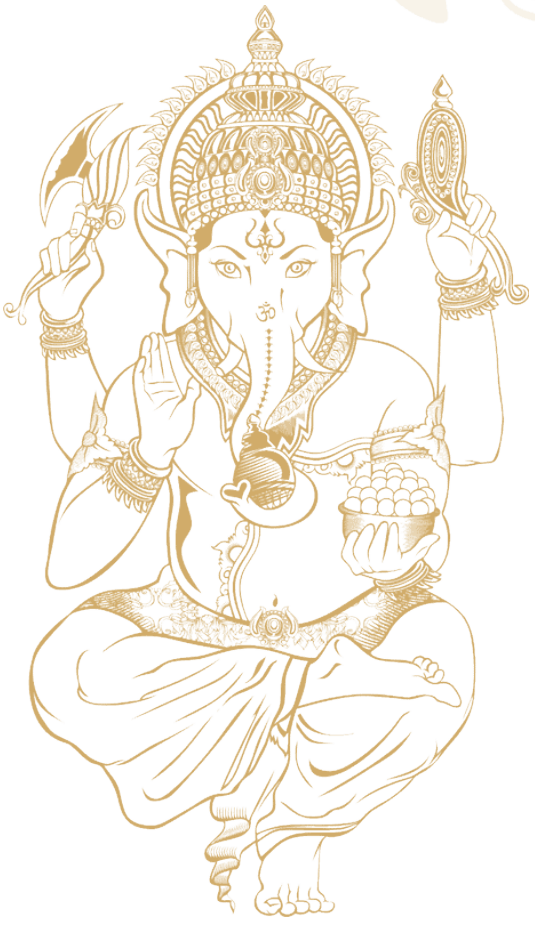

Arjit

Aeshna

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121594805

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/10/1989	जन्म तिथि	25/11/1995
रविवार	दिन	शनिवार
घंटे 08:43:00	जन्म समय	07:52:00 घंटे
घटी 06:02:44	जन्म समय(घटी)	02:31:17 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:17:54	सूर्योदय	06:51:29
17:59:11	सूर्यास्त	17:24:25
23:43:00	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:05

विंशोत्तरी
शुक्र 6वर्ष 7मा 8दि

राहु	
18/05/2019	
17/05/2037	
राहु	28/01/2022
गुरु	23/06/2024
शनि	29/04/2027
बुध	16/11/2029
केतु	04/12/2030
शुक्र	04/12/2033
सूर्य	29/10/2034
चन्द्र	29/04/2036
मंगल	17/05/2037

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	तुला	21:40:12
सूर्य	कन्या	21:06:32
चंद्र	धनु	22:15:44
मंगल	कन्या	18:20:27
बुध	कन्या	03:29:05
गुरु	मिथु	16:26:55
शुक्र	वृश्चि	05:41:05
शनि	धनु	14:10:08
राहु व केतु	कुंभ	00:43:25
राहु व केतु	सिंह	00:43:25
हर्ष	धनु	07:57:16
नेप	धनु	15:58:12
प्लूटो	तुला	20:12:23

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	वृश्चि	20:41:47
सूर्य	वृश्चि	08:31:50
चंद्र	धनु	12:48:48
मंगल	धनु	02:03:37
बुध	वृश्चि	09:35:25
गुरु	वृश्चि	27:19:22
शुक्र	धनु	03:08:35
शनि	कुंभ	24:12:12
राहु व केतु	तुला	02:11:34
राहु व केतु	मेष	02:11:34
हर्ष	मक	03:44:21
नेप	धनु	29:40:32
प्लूटो	वृश्चि	06:45:53

विंशोत्तरी
केतु 0वर्ष 3मा 8दि

चन्द्र	
04/03/2022	
04/03/2032	
चन्द्र	02/01/2023
मंगल	03/08/2023
राहु	01/02/2025
गुरु	03/06/2026
शनि	03/01/2028
बुध	03/06/2029
केतु	02/01/2030
शुक्र	03/09/2031
सूर्य	04/03/2032

लग्न-चलित

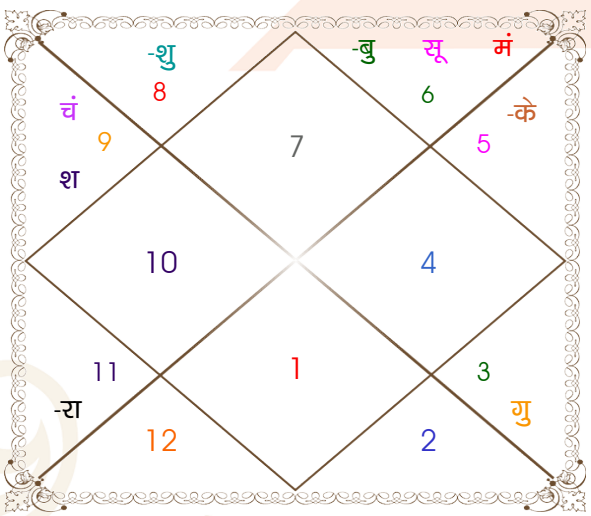

लग्न-चलित

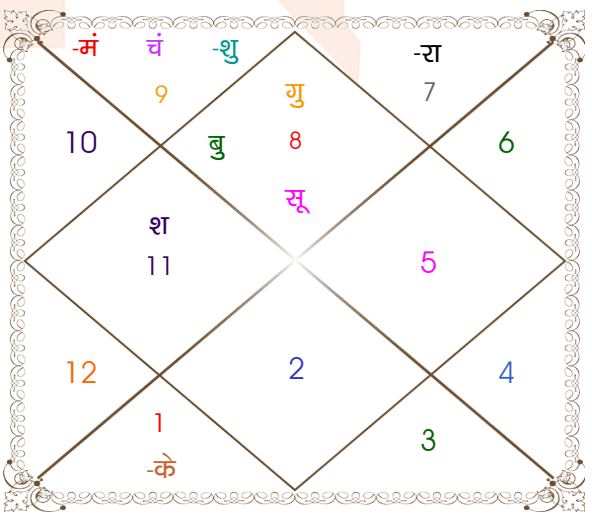

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

Arjit का वर्ग मूषक है तथा Aeshna का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Arjit और Aeshna का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Arjit मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Arjit कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Aeshna मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Aeshna कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Arjit तथा Aeshna में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।